डाक पंजीयन क्रमांक-म.प्र./भोपाल/357/2018-20

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

● वर्ष 61 ● अंक 16 ● भोपाल ● 16-31 जनवरी, 2018 ● पृष्ठ 8 ● एक प्रति 7 रु. ● वार्षिक शुल्क 150/- ● आजीवन शुल्क 1500/-

निष्पक्षता और पारदर्शिता से विभाग की बनेगी अच्छी छवि

सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम का श्रीमती रेनु पन्त आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं ने किया उद्घाटन

भोपाल। सहकारी प्रबंध संस्थान, भोपाल द्वारा दिनांक 18.12.2017 से 16.06.2018 तक आयोजित किये जा रहे 24 वें सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम का विधिवत उद्घाटन श्रीमती रेनु पन्त, IAS, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं म.प्र.ने दिनांक 4.1.2018 को किया। सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. अस्थाना ने श्रीमती रेनु पन्त, IAS, आयुक्त एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाऐं म.प्र. का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और संस्थान एवं कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

श्रीमती रेनु पन्त, IAS, आयुक्त एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं म.प्र. ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी कठिन प्रतियोगिता के पश्चात सहकारिता विभाग में आये है। उन्होंने कहा कि आप जिस विभाग में आये है सबसे पहले आपको उस विभाग में होने का गर्व होना चाहिये। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर कहा कि जितना काम का एक्सपोजर इस विभाग में मिलेगा वह सरकार के अन्य विभाग में नहीं मिलेगा। सहकारिता विभाग प्रदेश के समस्त सामान्य जनों के जीवन को स्पर्श करता है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रशासन में नियम और कानून का बहुत महत्व होता है। प्रशिक्षण के बाद पदस्थापना वाली जगह पर आपको नियम और कानून के हिसाब से ही कार्य करना है। शासन में उत्तरदायित्व का भी बहुत महत्व है। अपने उत्तरदायित्व को समझना और कर्तव्य का पालन करना जरुरी है। उन्होंने आहवान किया कि जिले में आप जो भी कार्य करें उसमें पारदर्शिता होना जरुरी है। निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से कार्य करेंगे तो सहकारिता विभाग की छवि अच्छी बनेगी। प्रशिक्षण के दौरान पढाये गये विषयों पर मंथन करें और उसे आत्मसात करें । अपने अन्दर नेतृत्व क्षमता विकसित करें और आम जनता में अपने विभाग का नेतृत्व करें। कार्यस्थल पर उन्होंने आम जनता की कठिनाईयों एवं परेशानियों के प्रति संवेदनशील होने की सलाह दी। इससे लोगों की समस्याओं को हल करने में मदद मिलती है और उनके मन में विभाग की छवि अच्छी बनती है।

संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. अस्थाना ने संस्थान में भारत सरकार के सैन्य अधिकारियों एवं भूटान देश के सैन्य अधिकारियों के लिए पूर्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा दिया। भावी योजना के अन्तर्गत उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से संस्थान भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, मुम्बई की सहायता से राज्य के किसानों के लिए जिन्सों के वायदा बाजार पर संवेदीकरण कार्यक्रम का आरम्भ करने जा रहा है।

कार्यक्रम समन्वयक श्री अमित मुद्गल, संकाय सदस्य ने सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम के विषयों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम 13 विषयों के साथ एक मिनी एम.बी.ए. का स्वरुप लिए हुए है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के स्किल, एटीट्यूड एवं नालेज में वृद्वि होती है। कार्यक्रम में सहकारी निरीक्षकों ने अपना – अपना परिचय दिया। इस अवसर पर म.प्र. राज्य सहकारी संघ, मर्या, भोपाल के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन, सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम के सभी प्रशिक्षणार्थीगण एवं संस्थान परिवार के सभी सदस्यगण उपस्थित थे। अंत में श्री अमित मुद्गल, संकाय सदस्य ने आभार व्यक्त किया।

आवास संघ द्वारा ऋण वसूली के लिए एक मुश्त समझौता योजना शुरू

सहकारिता राज्य मंत्री श्री सारंग के निर्देशों पर अमल

भोपाल। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग के बकाया ऋण की वसूली और ऋण प्राप्त करने वालों को ऋण आदायगी में राहत देने के निर्देशों पर राज्य सहकारी आवास संघ द्वारा **एक मुश्त समझौता योजना** शुरू की गई है। एक जनवरी 2018 से शुरू यह योजना 31 मार्च 2019 तक के लिए है। योजना का लाभ 200 संस्था और 3133 ऋणी सदस्य ले सकेंगे। योजना की विस्तृत जानकारी संघ के सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को भेज कर आयुक्त सहकारिता द्वारा सभी संस्थाओं और सदस्यों को लाभ लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रबंध संचालक आवास संघ श्री सी.एस. डाबर ने बताया कि आवास संघ द्वारा वित्त पोषित गृह निर्माण समितियों और उनके सदस्यों के लिए कालातीत ऋण वसूली की **एक मुश्त समझौता योजना** में ऋण मुक्ति का सुनहरा मौका दिया गया है। उन्होंने बताया कि योजना से एक ओर ऋणी ऋण से उऋण होंगे तो दूसरी ओर संघ को कार्य व्यवसाय के लिए पूँजी प्राप्त हो सकेगी। योजना में आदतन बकायादार और ऋण का दुरूपयोग करने वालों को लाभ नहीं देने का प्रावधान भी है। समझौता के प्राप्त प्रकरणों में मूल ऋण पर कालातीत होने की स्थिति में लगाये गये दण्ड ब्याज को माफ किया जायेगा। समझौता होने के बाद ऋण लेने वालों को सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान एक माह की अवधि में करना होगा। प्राथमिक गृह निर्माण सहकारी संस्था के सदस्यों के लिए खातों में अधिकतम कालातीत बकाया ऋण 5 लाख से अधिक होने की दशा में योजना का लाभ मिल सकेगा। योजना की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। संघ स्तर पर गठित कमेटी योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों में बिना भेदभाव के समान रूप से निर्णय करेगी। समझौता प्रकरणों में परीक्षण में सरलता एवं एकरूपता को ध्यान में रख प्रारूप बनाया गया है। एकमुश्त समझौता के लिए ऋण संस्था अथवा सदस्य को निर्धारित प्रारूप में प्रकरण प्रस्तुत करना होगा।

प्रदेश का पहला मत्स्य आहार संयंत्र

मेक इन इंडिया की तर्ज पर सिवनी में बना

भोपाल। मेक इन इंडिया की तर्ज पर सिवनी जिले के केवलारी विकासखण्ड के ग्राम बागडोगरी में प्रदेश का पहला मत्स्य आहार सयंत्र स्थापित किया गया है। मत्स्य विभाग द्वारा वर्ष 2015-16 में 32 लाख 50 हजार रूपये की लागत से स्थापित संयंत्र के संचालन की जिम्मेदारी मछुआ सहकारी समिति बनाथर ग्राम पांडिया छपारा के 93 सदस्यों की समिति को सौंपी गई। समिति को यह कार्य भूमि और कच्चे माल की उपलब्धता के आधार पर दिया गया है। जिसका वह मार्च 2016 से सफलता पूर्वक संचालन कर रही है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जिला स्तर पर सेमीनारों का आयोजन

सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के निर्देश पर प्रदेश के 51 जिलों में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर प्रदेश में जिला स्तर पर सेमीनार आयोजन का अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न जिलों में 2 जनवरी से इन सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है।

जबलपुर

जबलपुर। कृषि के श्रेष्ठ उत्पादन के लिये आज आवश्यक है कि रासायनिक उर्वरक के संतुलित उपयोग हेतु व्यापक प्रशिक्षण दिया जावे किसान भाई वैज्ञानिक विधि से फसल उत्पादन करें, सहकारी समितियों के कृषक सदस्यों को उर्वरक के प्रकार, विधि एवं कठिनाईयों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके। ये विचार श्री पी.एस. तिवारी संयुक्त आयुक्त सहकारिता जबलपुर संभाग जबलपुर ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक जबलपुर के सभागार में आयोजित एक दिवसीय उर्वरक प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल के तत्वाधान में सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा किया गया। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जबलपुर के महाप्रबंधक श्री आलोक यादव ने उर्वरक प्रशिक्षण को कृषि उत्पादन में सहायक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा कृषक समाज सेवी श्री राजमणि सिंह बघेल ने की और कहा कि कृषकों के हित में ऐसे प्रशिक्षण अधिक से अधिक आयोजित किये जाने चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में कृषि वैज्ञानिक श्री संजय कुमार सिंह ने रासायनिक उर्वरक का संतुलित उपयोग एवं विधियां बताई। श्री डी.के. श्रीवास्तव, सहायक संचालक, कृषि ने अतिथि व्याख्यानर में कृषिउर्वरक के महत्व एवं कृषकों की समस्याओं के संबंध में चर्चा की एवं जैविक खाद का उत्पादन एवं उत्पादन व उपयोग की अधिक सलाह दी।

कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के व्याख्याता श्री एस.के. चतुर्वेदी एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य श्री यशोवर्धन पाठक ने किया। कार्यक्रम में जिला सहकारी संघ मर्यादित, जबलपुर के प्रबंधक श्री राकेश वाजपेई उप प्रशिक्षण केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री सुनील कुमार एवं लेखापाल श्री एन.पी. दुबे का सहयोग सराहनीय रहा।

होशंगाबाद

होशंगाबाद। दिनांक 4.1.2018 म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के तत्वाधान में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, होशंगाबाद के सहयोग से जिले की सहकारी संस्था के सदस्यों हेतु रासायनिक उर्वरक के संतुलित उपयोग पर सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में श्री ए.के. सोलंकी, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने जैविक खाद, उर्वरक के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में श्री भारत सिंह चौहान, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक तथा बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.बी.एस.ठाकुर एवं श्री गोपाल शरण चौरसिया, संचालक उपस्थित रहे। सेमीनार समन्वयक श्री ए.के.जोशी ,व्याख्याता एवं श्रीमती रेखा पिप्पल व्याख्याता थे।

मंडला

मण्डला। दिनांक 8.1.2018 को सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा केन्द्रीय सहकारी बैंक मण्डला के सभाकक्ष में किसानों के कल्याण एवं कृषि उत्पादन वृद्धि हेतु ''रासायनिक उर्वरक का संतुलित उपयोग'' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एस. के. चतुर्वेदी व्याख्याता ने सेमीनार की पृष्ठभूमि एवं उर्वरक का महत्व बताया। विषयविशेषज्ञ प्रमुख वक्ता श्री बी.एस. गुर्जर मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक इफको द्वारा रासायनिक उर्वरक के संतुलित उपयोग की फसलवार तकनीक एवं विधियां बताया तथा कृषकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान किया। किसान कल्याण विभाग के उप संचालक प्रतिनिधि कु. रागिनी बरगे ने विशेषज्ञ संबोधन करते हुए रबी एवं खरीफ फसलों में जैविक उर्वरक उपयोग के साथ–साथ रासायनिक उर्वरक का संतुलित उपयोग बताया। जिला विपणन अधिकारी श्री त्रिपाठी ने भण्डारण की जानकारी दी। कनिष्ठ प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, मण्डला श्री एस.के. त्रिपाठी ने उपस्थित रहकर सेमीनार को कृषकों के लिये लाभकारी एवं महत्वपूर्ण बताया।

सिवनी

सिवनी। दिनांक 9.1.2018 को सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर, द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, सिवनी के सभाकक्ष में कृषक सेमीनार का आयोजन ''कृषि में रासायनिक उर्वरक का संतुलित उपयोग'' विषय पर किया गया। सेमीनार के आयोजक एस.के. चतुर्वेदी, व्याख्याता द्वारा विषयवस्तु की पृष्ठभूमि एवं महत्व बताया गया। कृषि वैज्ञानिक के.के. देशमुख द्वारा कृषकों को विषय पर विस्तारपूर्वक उर्वरक का संतुलित उपयोग बताया गया। इफको के क्षेत्रीय अधिकारी अनिल बिड़ला ने रासायनिक उर्वरकों एवं जैविक उर्वरकों की वैज्ञानिक विधि की जानकारी दी। सेमीनार में बैंक के महाप्रबंधक टी.पी. बघेल ने संबोधित किया तथा सहायक आयुक्त सहकारिता कु. ज्योति कुम्हारे, अंकेक्षण अधिकारी डी.के. झारिया एवं विपणन अधिकारी श्री ए.के. तिवारी की गरिमामय उपस्थिति रही।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जिला स्तर पर सेमीनारों का आयोजन

सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के निर्देश पर प्रदेश के 51 जिलों में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर प्रदेश में जिला स्तर पर सेमीनार आयोजन का अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न जिलों में 2 जनवरी से इन सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है।

सीहोर

सीहोर। दिनांक 6.1.2018 को म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, सीहोर के सहयोग से जिले के किसानों एवं समिति के सदस्यों हेतु रासायनिक उर्वरक के संतुलित उपयोग पर सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में श्री पी.डी.पांडे, सेवानिवृत्त सहायक संचालक कृषि विभाग ने जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट,गोबर खाद व गैस एवं उर्वरक के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में श्री धर्मसिंह वर्मा एवं अध्यक्ष जिला सहकारी संघ उपस्थित रहे। श्री वर्मा द्वारा यूरिया के नुकसान, जमीन को उर्वरा बनाए रखने के तरीकों एवं जैविक उर्वरक के उपयोग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला मंडी अध्यक्ष श्री राम चरण मेवाड़ा एवं जिला सहारी संघ के प्रबंधक श्री तेजसिंह ठाकुर उपस्थित रहे। सेमीनार का समन्वय श्री ए.के. जोशी, व्याख्याता एवं श्रीमती रेखा पिप्पल व्याख्याता द्वारा किया गया।

रतलाम

रतलाम। दिनांक 5 जनवरी 2018 को म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के तत्वाधान में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, रतलाम व जिला सहकारी संघ मर्यादित, रतलाम के सहयोग से जिले के किसानों हेतु रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर सेमीनार का आयोजन सम्पन्न हुआ।

सेमीनार में कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.बी. शर्मा ने जमीन में जीवांश उद्यानिकी फसलें फसलों की प्रजाति, उन्नत बीज के बारें में विस्तार से प्रकाश डाला व किसानों के द्वारा किये गये प्रश्नों के समाधान किये। डॉ. डी.डी. पचौरी ने कृषि व पशुपालक पर जानकारी दी। कृभकों के जिला प्रबंधक श्री रणजीतसिंह राठौर द्वारा उर्वरक के संतुलित उपयोग पर जानकारी दी। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री व्ही.एस. कुर्मी द्वारा बैंक की ऋण नीति से अवगत करवाया गया।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के व्याख्याता श्री निरंजनकुमार कसारा ने सहकारी आन्दोलन से समाज का सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के प्रशिक्षक श्री कालका श्रीवास्तव ने सौर ऊर्जा व जैविक खाद की जानकारी प्रदान की व अन्त में कार्यक्रम में आभार व्यक्त श्री निरंजन कुमार कसारा ने किया।

नीमच

नीमच। दिनांक 6.1.2018 म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के तत्वाधान में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, नीमच व जिला सहकारी संघ के सहयोग से जिले की सहकारी संस्थाओं के सदस्यों हेतु रासायनिक उर्वरको के संतुलित उपयोग पर सेमीनार का आयोजन सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा सम्पन्न हुआ। सेमीनार में इफको के जिला प्रबंधक डॉ. बी.एस. जादौन ने मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलन उर्वरक उपयोग पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। डा. सी.पी पचौरी कृषि विज्ञान केन्द्र नीमच द्वारा वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दुगना करने की तकनीक एवं कम लागत की खेती पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केन्द्र के डा. एस.एस. सारंग देबोत ने कृषि तकनीक पर एवं केन्द्र के व्याख्याता श्री निरंजन कुमार कसारा ने सहकारी साख, केसीसी ड्यूडेट, म.प्र. शासन की नीति व योजनाओं एवं नेतृत्व विकास पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम संचालन व्याख्याता श्री निरंजन कुमार कसारा ने आभार प्रदर्शन प्रशिक्षण श्री कालका प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। ऐरिया मैनेजर श्री रामप्रसाद नागदा व जिला संघ लिपिक श्री मनीष सोनावा व सहकारिता विभाग के अंकेक्षक आर.पी. कुमावत का सराहनीय सहयोग रहा।

खण्डवा

खण्डवा। म.प्र.राज्य सहकारी संघ भोपाल के प्रशिक्षक द्वय गणेश मांझी एवं शिरीष पुरोहित के कार्डीनेशन में कृषको को उन्नत कृषि में उर्वरक के महत्व एवं प्रयोग की तकनीकी विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मुख्यालय में 08 जनवरी को सुबह 11.00 बजे से 4.00 बजे तक किया गया। उपायुक्त सहकारिता, मीना डाबर ने बताया कि यह प्रशिक्षण खण्डवा जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के किसान एवं पदाधिकारियों के लिए रखा गया है। जिला सहकारी संघ के प्रबंधक मेहताबसिंह भदौरिया ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक केन्द्र, कृषि विभाग के विषय विशेषज्ञ एवं जिला प्रबंधक कृभको, इफको द्वारा कृषि में उर्वरक के उपयोग एवं लाभ पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला का प्रसारण डी.डी.न्यूज भोपाल द्वारा भी किया गया।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जिला स्तर पर सेमीनारों का आयोजन

सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के निर्देश पर प्रदेश के 51 जिलों में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर प्रदेश में जिला स्तर पर सेमीनार आयोजन का अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न जिलों में 2 जनवरी से इन सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है।

रायसेन

रायसेन। दिनांक 05.01.2018 को ''कृषकों को उन्नत कृषि कार्यो हेतु उर्वरक के महत्व एवं प्रयोग संबंधी प्रशिक्षण हेतु एक वृहद सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें जिला कलेक्टर रायसेन श्रीमती भावना वालिम्बे के मुख्य आतिथ्य में श्री शिवाजी पटेल, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष की अध्यक्षता में सेमीनार का शुभारंभ किया गया जिसमें विविध विषयों पर रोचक प्रस्तुतिकरण राज्य सहकारी संघ के श्री वीरेन्द्र मिश्रा एवं श्रीमती मीनाक्षी बान, कृभकों के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अशोक कुमार तोमर, कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि अधिकारी श्री दुबे विपणन संघ के जिला विपणन अधिकारी श्री ए.के. पुरोहित तथा बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. हजारी द्वारा प्रकाश डाला गया। जिला कलेक्टर श्रीमति भावना वालिम्बे का बैंक में प्रथम आगमन पर बैंक की ओर से जिला बैंक अध्यक्ष श्री शिवाजी पटेल एवं बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. हजारी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कलेक्टर महोदय द्वारा विगत 01 वर्ष में बैंक द्वारा अर्जित वित्तीय सुदृढता के लिए बैंक के संचालक मण्डल एवं कर्मचारियों/अधिकारियों के सहयोग तथा प्रशासन के साथ उचित समन्वय करते हुए विभिन्न प्रकार के चुनौतीपूर्ण कार्यो के कुशल निष्पादन हेतु प्रशंसा की। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि यदि सहकारी सोसायटियॉ समय पर कार्य करने की पद्यति का विकास कर लें तो जिले की प्रगति तथा किसानों की आय वृद्धि को सकारात्मक रूप से प्रभावित होगी। बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

अलीराजपुर

अलीराजपुर। दिनांक 5 जनवरी 2018 को म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल व जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, झाबुआ के सहयोग से सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर द्वारा अलीराजपुर की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के किसानों के लिए उर्वरक के संतुलित उपयोग पर कार्यशाला अलीराजपुर में आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ के कृषि वैज्ञानिक डॉ. नरेन्द्र कुमावत एवं इफकों झाबुआ से श्री एस.सी. बाघेला, म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, व्याख्याता श्री दिलीप मरमट द्वारा विषय पर प्रकाश डाला एवं प्रशिक्षक हरज्ञानसिंह द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

मंदसौर

मंदसौर। 4.1.2018 को म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के तत्वावधान में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, व उपायुक्त सहकारिता के मार्गदर्शन में जिला सहकारी संघ के सहयोग से सहकारी बैंक के सभाकक्ष में रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग दिवस पर सेमीनार का आयोजन सम्पन्न हुआ।कार्यशाला में इफकों व जिला प्रबंधक श्री एस.के. महाजन ने पौधो के पोषक तत्व मिट्टी का नमूना लेने के तरीके व लेने की अवधि व फसलों की बोवनी के पूर्व सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला व किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिये। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के व्याख्याता श्री निरंजन कुमारा कसारा ने किसानों हेतु शासन नीति योजनाओं का निर्माण व क्रियान्वयन सहकारी ऋण की ड्यू डेट वह सहकारी साख आंदोलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षक श्री कालका प्रसाद श्रीवास्तव ने सौर उर्जा व सहकारिता पर जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का संचालन श्री निरंजन कुमार कसारा ने किया व आभार जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक श्री सुनील कछारा ने व्यक्त किया। कार्यशाला में 70 किसानों ने भागीदार की।

भोपाल

भोपाल। दिनांक 2 जनवरी 2018 को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक भोपाल के सहयोग से सहकारी केन्द्रीय बैंक भोपाल के सभा कक्ष में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधीनस्थ प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कृषक पदाधिकारी एवं भावी सदस्यों को उन्नत कृषि हेतु रासायनिक उर्वरको के संतुलित उपयोग विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिभागियों के पंजीयन एवं परिचय से प्रारंभ हुआ। शुभारंभ उद्बोधन श्रीमती मीनाक्षी बान, कम्प्यूटर प्रशिक्षक, राज्य संघ द्वारा किया गया। तत्पश्चात श्री एम. एल. जोशी क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको एवं श्री सोनानिया जी, सहायक संचालक, कृषि ने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कृषक पदाधिकारी एवं भावी सदस्यों को जानकारी दी। श्री ए.के. जोशी, व्याख्याता राज्य संघ द्वारा आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

पूरे देश को नई दिशा देगी भावान्तर भुगतान योजना : श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों को बाँटी नवंबर माह की भावांतर राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जो अब तक कभी नहीं हुआ, वो हम करके दिखायेंगे। भावांतर भुगतान योजना में किसानों को बाजार/बिक्री मूल्य और औसत मॉडल रेट के अंतर की राशि का हर माह का भुगतान किया जायेगा। अवर्षा हो या मौसम की मार, प्राकृतिक आपदा हो या कोई दूसरी कठिनाई, सूखा हो या और कोई संकट, प्रदेश के किसानों को किसी भी सूरत में अकेले नहीं रहने दिया जायेगा। सरकार हर वह कदम उठायेगी, जिससे किसानों की जिंदगी में खुशहाली आये। मुख्यमंत्री श्री चौहान टीकमगढ़ जिले के पृथ्वीपुर तहसील मुख्यालय में भावान्तर भुगतान योजना के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम के तहत आयोजित विशाल किसान सम्मेलन में किसानों को नवम्बर 2017 माह की भावान्तर राशि के लाभ वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीकमगढ़ जिले के 18 हजार 452 किसानों को कुल 41 करोड़ रूपये की भावांतर राशि का वितरण किया। यह राशि कोर बैंकिंग के जरिये **वन क्लिक मनी ट्रांसफर** के माध्यम से सभी किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सरकार की अन्य योजनाओं के हितग्राहियों के साथ-साथ मंच से प्रतीकात्मक रूप से 5 किसानों को भावांतर राशि के भुगतान प्रमाण-पत्र भी वितरित किये। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 7 करोड़ 85 लाख रूपये की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण और करीब 73 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत वाली 27 विकास परियोजनाओं/कार्यों का भूमि-पूजन भी किया।

रबी फसल की भी भावांतर राशि दी जायेगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों से ही सहमति लेकर मौके पर ही निर्णय लिया कि यह योजना लगातार जारी रखी जायेगी। जब भी फसल की कीमतें गिरेंगी, तो अधिसूचित फसल जिन्सों में किसानों को उनकी फसल की पूरी कीमत दी जायेगी। खरीफ फसलों के बाद अब रबी की फसलों में भी भावांतर की राशि किसानों को दी जायेगी। टीकमगढ़ जिले में अल्प वर्षा की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुये मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले के किसानों से कहा कि सरकार किसानों को हर मुसीबत से बाहर निकाल लायेगी। उन्होंने बताया कि टीकमगढ़ जिले के लिये सरकार ने 183 करोड़ रू. की सूखा राहत राशि जारी की है। जल्द ही यह राशि किसानों के खातों में आ जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भावांतर भुगतान योजना एक ऐसी अभिनव योजना है, जो अब पूरे देश को दिशा देगी। फिलहाल हरियाणा ने इसे अपना लिया है, कल पूरा देश इसे अपनायेगा। प्रदेश के किसानों की माली हालत सुधारने के लिये हमने तय किया है कि यदि उत्पादन अधिक हुआ तो भी किसान को कम कीमत में फसल नहीं बेचने देंगे। सरकार किसानों की फसल स्वयं वाजिब दाम पर खरीदेगी, ताकि किसान के नुकसान की भरपाई हो सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूरे प्रदेश के किसानों को नवम्बर माह में बाजार मूल्य और औसत मॉडल रेट के अंतर की कुल 960 करोड़ रूपये की भावांतर राशि एक साथ बाँटी जा रही है। सागर संभाग के पाँच जिलों के 84 हजार 700 किसानों को कुल 159 करोड़ रूपये की भावांतर राशि आज एक साथ बाँटी जा रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

विदिशा

विदिशा। दिनांक 8 जनवरी 2018 को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा सहकारी केन्द्रीय बैंक विदिशा के सहयोग से सहकारी केन्द्रीय बैंक विदिशा के सभा कक्ष में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधीनस्थ प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कृषक पदाधिकारी एवं भावी सदस्यों को उन्नत कृषि हेतु रासायनिक उर्वरको के संतुलित उपयोग विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिभागियों के पंजीयन एवं परिचय से प्रारंभ हुआ। शुभारंभ उद्‌बोधन श्रीमती मीनाक्षी बान, कम्प्यूटर प्रशिक्षक, म.प्र. राज्य सहकारी संघ द्वारा किया गया। तत्पश्चात श्री एन. पी. प्रजापति सहायक संचालक, कृषि एवं श्री राहुल सिंह, सहायक क्षेत्रिय प्रबंधक, इफको ने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कृषक पदाधिकारी एवं भावी सदस्यों को जानकारी दी। श्री विनय प्रकाश सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित विदिशा द्वारा आभार व्यक्त करते हुऐ कार्यशाला का समापन किया गया।

प्रदेश का पहला मत्स्य आहार संयंत्र

संयंत्र द्वारा निर्मित मत्स्य आहार 30-32 प्रतिशत प्रोटीन युक्त गुणवत्ता का है जो जिले के 1800 तालाबों के 10 हजार 122 पट्‌टा धारक मछुआरों और मछुआ समितियों के मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होने से मछुआरों की आय में भी वृद्धि हुई है।

इसके पहले मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य आहार पड़ोसी राज्यों से खरीद कर मत्स्य पालकों को उपलब्ध कराया जाता था। महंगा होने के साथ इसकी पहुँच हर मत्स्य पालक तक नहीं हो पाती थी। अब मत्स्य पालक को यह आहार 38 रूपये प्रति किलोग्राम दर से 5,10, 20 और 30 किलोग्राम के पैकिंग में उपलब्ध कराया जा रहा है।

मछुआ सहकारी समिति बनाथर द्वारा वर्ष 2016-17 में 5 लाख 41 हजार और 2017-18 में 29 लाख मूल्य के मत्स्य आहार की बिक्री की गई। वर्तमान में जिला सिवनी द्वारा समिति को 27 लाख 71 हजार मूल्य के आहार का आदेश प्रदाय किया गया है। इसके अलावा जबलपुर संभाग के अन्य जिलों ने भी 7 लाख 22 हजार रुपये के आदेश प्रदाय किये हैं। उक्तानुसार आहार का विक्रय करने पर समिति को 8 लाख 70 हजार रूपये की आय होगी। इससे न केवल समिति सदस्य को अतिरिक्त आय होगी बल्कि प्रदेश भी मत्स्य आहार के मामले में आत्म-निर्भर बनेगा।

फसलों के बाजार भाव के उतार-चढ़ाव से किसानों को मिली सुरक्षा

किसान कल्याण मंत्री श्री बिसेन सिवनी के किसान सम्मेलन में

भोपाल। किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा है कि प्रदेश में किसानों को फसलों के बाजार भाव के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करने में भावांतर भुगतान योजना सफल रही है। उन्होंने कहा कि योजना को अब देश के अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा रहा है। मंत्री श्री बिसेन सिवनी में भावांतर भुगतान योजना के किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सिवनी जिले में 6,606 किसानों के खाते में करीब 16 करोड़ 25 लाख रुपये की भावांतर राशि जमा करवायी गयी है।

किसान-कल्याण मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को खेती में हुई हानि का पूरा-पूरा मुआवजा दिलवाया गया है। मंत्री श्री बिसेन ने सिमरिया मण्डी में 56 लाख की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण भी किया।

किसान-कल्याण मंत्री ने किसानों से विभाग की योजनाओं का लाभ आगे आकर उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसानों को परम्परागत फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की तरफ भी आगे बढ़ना चाहिये।

रबी सीजन में 102 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का काम पूरा

पाले से बचाव के लिये किसानों को दी गई सलाह

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस वर्ष रबी सीजन में अब तक 102 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का काम पूरा किया जा चुका है। इस वर्ष प्रदेश में 113 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी किये जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। रबी सीजन में गेहूँ की 40 लाख हेक्टेयर, दलहनी फसलों में चने की 35 लाख 23 हजार हेक्टेयर में, मटर 2 लाख 90 हजार हेक्टेयर में, मसूर 5 लाख 63 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोई जा चुकी है। सरसों तोरिया फसल की बोनी 7 लाख 48 हजार हेक्टेयर, अलसी एक लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई है। इस वर्ष रबी सीजन में गन्ने की फसल 96 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों को समसामयिक सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में तापमान तेजी से कम होने की संभावना बताई गई है। कुछ क्षेत्रों में तापमान 4 डिग्री सेन्टीग्रेड से कम रह सकता है। तापमान में होने वाली इस गिरावट का असर फसलों पर पाले के रूप में होने की आशंका रहेगी। आसमान साफ होने, हवा का बहाव कम होने के साथ तापमान में गिरावट से पाला पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने सभी संभागों के लिये विशेष सलाह जारी करते हुए प्रभावित क्षेत्रों के समस्त मैदानी अमले को पाले से बचाव के उपायों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये हैं।

किसानों को समझाइश दी गयी है कि रात्रि में खेत मेड़ों पर कचरा तथा खरपतवार आदि जलाकर, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी छोर से धुआँ करें, जिससे कि धुएँ की परत फसलों के ऊपर छा जाये। फसलों में खरपतवार नियंत्रण करना भी आवश्यक है क्योंकि खेतों में उगने वाले अनावश्यक तथा जंगली पौधे सूर्य की ऊष्मा भूमि तक पहुँचाने में अवरोध उत्पन्न करते हैं। इस इस प्रकार तापमान के असर को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सलाह के अनुसार शुष्क भूमि में पाला पड़ने का जोखिम अधिक होता है, अत: फसलों में स्प्रिंकलर के माध्यम से हल्की सिंचाई की जाये। किसानों द्वारा 8 से 10 किलोग्राम सल्फर डस्ट प्रति एकड़ का बुरकाव अथवा वेटेबल या घुलनशील सल्फर 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से भी पाले के असर को नियंत्रित किया जा सकता है।

संचालक कृषि श्री मोहन लाल के अनुसार इस संदर्भ में सभी संभागीय तथा जिला कृषि कार्यालयों को सूचित किया गया है। मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा कृषकों को सूचित करने के साथ ग्रामीण स्तर पर डोंडी पिटवाने तथा समाचार-पत्र माध्यमों और स्थानीय इलेक्ट्रानिक चैनलों के द्वारा भी किसानों को सचेत करने के निर्देश दिये गये हैं। अधिकारियों से सघन भ्रमण कर स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिये भी कहा गया है।

सुठालिया कस्बे में दिन-रात उपलब्ध है ई-रिक्शा सेवा

भोपाल। राजगढ़ जिले के सुठालिया कस्बे में किसी को भी, कभी भी ई-रिक्शा सेवा की आवश्यकता होती है तो वह सीधे कैलाश मेहर को मोबाइल पर फोन करता है और तुरंत सेवा उपलब्ध होती है। कैलाश मेहर को यह ई-रिक्शा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना में ऋण पर मिला है।

युवा कैलाश मेहर केवल आठवीं कक्षा तक पढ़े होने के कारण कुछ दिनों पहले तक मजूदरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। स्थानीय नगर परिषद् की मदद से उन्हें मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना में प्रशिक्षण मिला और ई-रिक्शा भी। इसके लिये इन्हें 1.40 लाख रुपये का लोन बैंक से दिलवाया गया जिसमें 20 हजार रुपये का शुद्ध अनुदान भी शामिल है। इन्होंने लोन की दो किश्तें समय पर जमा कर दी हैं। तीसरी किश्त जमा करने के बाद इन्हें 5 हजार रुपये का अतिरिक्त अनुदान भी मिलेगा। ई-रिक्शा के मालिक बन चुके कैलाश मेहर आज आसानी से 8-10 हजार रुपये महीना अपने कस्बे में ही रहकर कमा रहे हैं। आसपास के 6-7 गांव में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। साथ ही, सप्ताह में मंगलवार और शुक्रवार के दिन आँगनवाड़ी केन्द्रों तक टीकाकरण की वेक्सीन पहुँचाने का पुनीत कार्य भी कर रहे हैं। अब सुठालिया कस्बे में कैलाश मेहर एक जाना-माना नाम है।

सौभाग्य योजना में रोशन होगा हर घर, गाँव और शहर

भोपाल। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर सौभाग्य योजना में मध्यप्रदेश के 3 लाख 73 हजार 683 घरों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन प्रदान किये गये हैं। पूर्व, मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने अपने-अपने क्षेत्र के बिजली कनेक्शनविहीन परिवारों को सौभाग्य योजना में मुफ्त बिजली कनेक्शन देकर उनके घरों को रोशन करने की बड़े स्तर पर मुहिम चलाई है। बिजली कनेक्शनविहीन परिवारों से अपील की गई है कि वे सौभाग्य योजना में शामिल होकर अपने घर रोशन करें।

योजना के जरिये बिजली कनेक्शन विहीन गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश के 40 लाख बिजली कनेक्शविहीन घरों को रोशन करने का लक्ष्य है। बिजली कनेक्शविहीन घरों का सर्वे करवाकर उन्हें बिजली कनेक्शन से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। यह योजना केन्द्र और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से क्रियान्वित हो रही है।

प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना सौभाग्य में बिजली का कनेक्शन लेना आसान है। सौभाग्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी घरों को रोशन करने के लिए भारत सरकार की योजना है।

लाभार्थियों का चयन

सामाजिक, आर्थिक एवं जाति जनगणना (एस.ई.सी.सी.) सर्वे से चिन्हित लाभार्थियों (शहरी एवं ग्रामीण बीपीएल) का मुफ्त विद्युत कनेक्शन के लिये चयन किया जा रहा है। ऐसे ग्रामीण परिवार, जो मापदंडों के अनुसार लाभार्थियों में सम्मिलित नहीं हैं, को इस योजना के लाभ के अंतर्गत मात्र 500 रू. की राशि में विद्युत कनेक्शन दिया जा रहा है। इन लाभार्थियों को 50 रू. की बराबर किश्तों में आगामी 10 माह के बिलों के साथ भुगतान करने की सुविधा दी गई है।

योजना के लाभ

सौभाग्य योजना से जीवन स्तर में सुधार के साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, महिलाओं को खाना-पानी में सहूलियत, प्रकाश, बल्ब, पंखे से खुशहाल जिंदगी और घर से ही आनलाईन सेवाओं का लाभ लेने की सुविधा मिलना शुरू हो गई है। इसके अलावा रोजगार के नए अवसर बढ़ने, सूचना, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मनोरंजन साधनों का विकास तथा रेडियो, टेलीविजन एवं कम्प्यूटर आधारित सूचना की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है॥

कैसे लें कनेक्शन

पात्र हितग्राहीको अपने नजदीकी कैम्प या बिजली विभाग के आफिस में जाकर बिजली कनेक्शन के लिए सूचित करना होगा। कनेक्शन लेने वाले परिवारों को अपनी निजी जानकारी जैसे नाम, पता और मोबाइल नंबर आदि देना होगा। कोई भी पहचान पत्र जैसे कि आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्रायविंग लायसेंस, बैंक अकाउंट देना होगा। वांछित सूचना के सत्यापन के बाद कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाईन नंबर 18002331912 पर संपर्क किया जा सकता है।

टीम-मध्यप्रदेश नई ऊर्जा, नये उत्साह और उमंग से रोड मैप पर कार्य करे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभागवार प्राथमिकतायें तय कीं

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रा%य सरकार की एक वर्ष की प्राथमिकतायें तय करते हुये इन पर अमल सुनिश्चित करने के लिये विभागों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि पिछले वर्षों में प्रदेश सरकार ने कई ऐसे नवाचार किये हैं, जिन्हें अन्य राज्यों ने अपनाया है। उन्होंने सभी को नये वर्ष की बधाई देते हुये कहा कि टीम-मध्यप्रदेश आगे भी नई ऊर्जा और नये उत्साह से तय रोड मैप पर कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रालय में आयोजित नये वर्ष की पहली बैठक में कहा कि टीम मध्यप्रदेश पर उन्हें गर्व है। उन्होंने विभागवार रोडमैप और शासन की प्राथमिकतायें बताईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी प्रगति की जानकारी हर माह की पाँच तारीख तक मुख्यमंत्री सचिवालय को उपलब्ध करायेगा। इस अवसर पर जल संसाधन एवं जनसम्पर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, गृह मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, नगरीय विकास मंत्री श्रीमती माया सिंह, उद्योग मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, तकनीकी शिक्षा रा%यमंत्री श्री दीपक जोशी, संस्कृति रा%यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा एवं मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास विभाग - मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीण विकास विभाग की प्राथमिकतायें तय करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसके लक्ष्य को समय-सीमा में पूरा किया जाये। इस योजना में अगले वर्ष तक प्रदेश में कुल 13 लाख 48 हजार आवास निर्माण किये जाने हैं। उन्होंने इसके क्रियान्वयन में देश में मध्यप्रदेश के प्रथम आने पर बधाई दी। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों को दो अक्टूबर 2018 तक खुले में शौच से मुक्त करने का कार्य युद्ध-स्तर पर करने, वर्ष 2018 के अंत तक सभी गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने, 51 हजार 714 गांवों को समूह में बांटकर युवाओं को स्वच्छता सेवी बनाने तथा महिला स्व-सहायता समूह को स्वच्छता से जोड़ने, मनरेगा से जल संरचनाओं का निर्माण और सूखा प्रभावित क्षेत्र में रोजगारमूलक कार्य कराने के निर्देश दिये।

राजस्व - राजस्व प्रकरणों के निराकरण का अभियान निरंतर जारी रखने, पटवारी और नायब तहसीलदारों की रिक्त पदों की भर्ती समय-सीमा में पूर्ण करने, सभी आवासीय भूमिहीनों को भू-अधिकार पत्र वितरण का अभियान चलाने तथा किसानों को खसरा एवं नक्शे की नकलें निशुल्क वितरित करने के निर्देश दिये।

शहरी विकास - शहरी गरीबों के पाँच लाख आवास बनाने का कार्य समय पर पूरा करने, शहरी ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को सुव्यवस्थित लागू करने, नर्मदा के तट पर स्थित नगरों में सीवरेज प्रणाली के कार्य शीघ्र शुरू करने, शहरी पेयजल योजनाओं का कार्य समय-सीमा में पूरा करने तथा स्वरोजगार योजनाओं का क्रियान्वयन की गति तेज करने और दीनदयाल रसोई योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

कृषि - मुख्यमंत्री ने कहा कि भावांतर योजना की देश भर में सराहना हो रही है। उन्होंने युवा कृषक उद्यमी योजना का अलग से क्रियान्वयन करने, कस्टम हायरिंग सेंटरों का विस्तार करने तथा उद्यानिकी फसलों के एक्सपोर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।सहकारिता विभाग द्वारा ऋण समाधान योजना को शीघ्र अंतिम रूप देने तथा पशुपालन विभाग द्वारा आचार्य विद्या सागर योजना का विस्तार किये जाने के निर्देश दिये।

ऊर्जा विभाग - सौभाग्य योजनान्तर्गत अक्टूबर माह के अंत तक सभी घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना, सभी गांवों में बिजली पहुँचाना तथा विद्युत बिलों के संदर्भ में फ्लेट रेट लागू करने की प्राथमिकता तय की गई। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा रीवा एवं नीमच के सौर ऊर्जा परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करना। नगरीय निकायों में एलईडी स्ट्रीट लाइट का उपयोग एवं पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इलेक्ट्रिकल वाहनों को बढ़ावा देना तथा क्लीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने के लिये टास्क फोर्स बनाने की प्राथमिकतायें तय की, जिससे कुछ गांवों को पूर्णत: क्लीन एनर्जी कुकिंग घोषित किया जा सके।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग - मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खाद्य एवं सुरक्षा के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों के नाम जोड़े जायें, पात्र परिवारों को संबंधित नगरीय क्षेत्र के किसी भी राशन दुकान से राशन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराना तथा आदिवासी बाहुल्य जिले के किसी एक विकासखण्ड को डीबीटी लागू करना शीघ्र सुनिश्चित किया जाये।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति - सहरिया जनजाति की तरह बैगा एवं भारिया जनजाति के परिवारों को भी कुपोषण से बचाने के लिये प्रति माह एक हजार रूपये ऑनलाइन दिये जाने की व्यवस्था बनाना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु विशेष पैकेज बनाना, सभी आदिवासी बाहुल्य जिलों में **सुपर 100 योजना** लागू करना शामिल है।

सामाजिक न्याय विभाग - समग्र पोर्टल में पात्र दर्शाये गये सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी - समूह नल-जल प्रदाय योजनाओं को समय पर पूर्ण करना एवं आने वाली गर्मियों में जल आपूर्ति की तैयारी करना।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग - ग्लोबल स्किल समिट निर्णयों का क्रियान्वयन करना तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर सभी विभागों द्वारा ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये गये।

तकनीकी शिक्षा - युवा सशक्तिकरण मिशन का तेजी से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, साढ़े सात लाख युवाओं को कौशल उन्नयन कर उन्हें स्वरोजगार/रोजगार से जोड़ना। मेधावी छात्र योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

खनिज साधन विभाग - रेत खनन नीति का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा प्रदेश के खनिज संसाधनों के दोहन की कार्ययोजना तैयार करना।

लोक निर्माण विभाग - मुख्यमंत्री की घोषणाओं में शामिल समस्त सड़कों का निर्माण शीघ्र शुरू करना।

नर्मदा घाटी विकास एवं जल संसाधन विभाग - नर्मदा-क्षिप्रा लिंक बहुउददेशीय परियोजनाओं के निर्माण में गति लाना एवं समय-सीमा में पूर्ण करना, समस्त स्वीकृत परियोजनाओं में कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समय-सीमा में पूर्ण करना, नर्मदा-पार्वती, नर्मदा-कालीसिंध, नर्मदा-गंभीर परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ करना तथा जल संसाधन विभाग द्वारा समस्त वृहद परियोजना को समय-सीमा में पूर्ण करना शामिल है।

लोक स्वास्थ्य योजना - मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल भिण्ड की सराहना करते हुये सभी जिला अस्पतालों को बेहतर सुविधायें देने के निर्देश दिये। साथ ही राज्य बीमारी सहायता के लाभ के लिये ऑनलाइन व्यवस्था करना, 19 जिला अस्पतालों में सीटी स्केन की सुविधा उपलब्ध कराना।

इस मौके पर मुख्यमंत्री सभी विभागों को निर्देशित किया कि विभागीय उपलब्धियों की जानकारी समय-समय पर जनसंपर्क विभाग को उपलब्ध करायी जाये।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री भार्गव ने भोपाल में बांटी भावांतर की राशि

भोपाल। भोपाल जिले के 7000 किसानों को नवम्बर माह में भावांतर योजना में उपज विक्रय पर 7 करोड़ 19 लाख की भावांतर राशि जारी की गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने यह बात करोंद कृषि उपज समिति अनाज मंडी प्रांगण में किसान सम्मेलन में कही। प्रभारी मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि प्रदेश में भावांतर योजना में चार हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से वर्तमान में एक हजार करोड़ की राशि किसानों को उपलब्ध करा दी गई है।

श्री भार्गव ने कहा कि किसानों के राजस्व प्रकरण, खसरा-खतौनी, नामांतरण संबंधित प्रकरणों को भी अभियान चलाकर निपटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान की कृषि कार्य करते हुए मृत्यु होती है तो 4 लाख रूपये की राशि उसके परिवार को तत्काल रूप से उपलब्ध करवाई जायेगी।

मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि देश के अन्य प्रदेश भी भावांतर योजना लागू करने की योजना बना रहे हैं। आज ही उत्तरप्रदेश का एक दल भावांतर योजना की जानकारी लेने के लिए आया हुआ है।

मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि प्रदेश के किसान खुशहाल हो और उसे किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि भावांतर योजना में किसी प्रकार की कोई असुविधा हो रही हो, तो उनके सुझावों पर शत-प्रतिशत अमल किया जायेगा।

मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में प्रदेश में 80 हजार किलोमीटर की सड़कें और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 15 हजार किलोमीटर की सड़कों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में अभी तक 5 लाख 50 हजार आवास निर्मित किये गये हैं। अगले 6 माह में इतने ही आवास और बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री भार्गव ने किसानों को भावांतर राशि के प्रमाण-पत्र भी दिये। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मनमोहन नागर, जनपद अध्यक्ष सुश्री आरती यादव, मण्डी अध्यक्ष श्रीमती पाटीदार सहित अन्य जन-प्रतिनिधि और किसान उपस्थित थे।

सहकारी आन्दोलन के विकास और प्रचार में

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार की सराहनीय भूमिका

जबलपुर। सहकारी आन्दोलन के विकास और प्रचार में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल द्वारा प्रकाशित मध्यप्रदेश सहकारी समाचार की सक्रिय व सराहनीय भूमिका है। यह बात जबलपुर के कलेक्टर श्री महेशचन्द्र चौधरी ने कही। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के प्राचार्य श्री यशोवर्धन पाठक ने मध्यप्रदेश सहकारी समाचार के नये अंक की प्रति कलेक्टर महोदय को भेंट की एवं राज्य सहकारी संघ व केन्द्र की गतिविधियों की जानकारी दी। श्री पाठक ने कलेक्टर श्री महेशचन्द्र चौधरी को बताया कि राज्य सहकारी संघ अपने प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन के मार्गदर्शन में निरन्तर विकास की ओर अग्रसर है।

इस अवसर पर एम.पी. प्रिंटिंग औद्योगिक सहकारी प्रेस के श्री के.के. तिवारी इत्यादि उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के श्री एन.पी. दुबे द्वारा किया गया।

सोलर पम्प से खेतों में सिंचाई; खर्चा एक रुपये भी नहीं

भोपाल। दतिया जिले के ग्राम सिकरी निवासी अर्जुन कुशवाहा पुत्र गोविन्दी तथा गोपी पुत्र मंजू कुशवाहा के पास करीब 10-10 बीघा जमीन थी। इनके खेतों पर कुआं और बोरिंग पहले से थे। खेतों के आस-पास बिजली नहीं होने के कारण डीजल पंप से खेतों में सिंचाई करते थे। करीब 10 घंटे प्रति दिन पंप चलाने का 600-600 रुपये खर्च आ रहा था। इतनी लागत लगाने के बाद उन्हें खेती में विशेष मुनाफा नहीं हो रहा था।

कृषक अर्जुन और गोपी को पता चला कि सूरज की रोशनी से चलने वाले विद्युत पंप मध्यप्रदेश सरकार 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवा रही है। दोनों किसानों ने सीधे अक्षय ऊर्जा अधिकारी श्री तेज कुमार श्रीवास्तव से सम्पर्क किया। संक्षिप्त औपचारिकताओं के बाद किसानों से केवल 10 प्रतिशत राशि जमा करवाई गई और शीघ्र ही उनके कुओं पर 3.65-3.65 लाख रुपये लागत के सोलर सिस्टम स्थापित करवा दिए गए।

इन किसानों ने जब देखा कि दिन-भर पम्प चलने पर खेतों में सिंचाई तो रही थी किन्तु खर्च एक रुपये का भी नहीं हो रहा था, तब बहुत खुश हुए। अब इन किसानों को प्रति-दिन 600 रुपये की बचत हो जाती है।

दतिया जिले में किसानों के खेतों में सोलर पंप लगाने का सिलसिला जारी है। अब तक करीब 80 किसान इसका लाभ ले चुके हैं। इस योजना से प्रत्यक्ष लाभ पाकर किसानों की खुशी उनके चहरे पर साफ-साफ दिखाई दे रही है।

डेयरी से रोजाना 1500 रुपये कमा रहे विवेक खरे

भोपाल। पन्ना नगर के टिकुरिया मोहल्ला निवासी विवेक खरे डेयरी व्यवसाय से रोजाना 1500 रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। विवेक को पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजनान्तर्गत स्थापित डेयरी इकाई के बारे में जानकारी दी गई। विवेक योजनान्तर्गत डेयरी इकाई स्थापना के लिये 5 देशी गाय (गिर/साहीवाल) का ऋण आवेदन विभाग के माध्यम से किया गया। विभाग द्वारा परीक्षण उपरांत आवेदन बैंक शाखा पन्ना भेजा गया। बैंक द्वारा श्री खरे को डेयरी इकाई स्थापना के लिये दो लाख 43 हजार 450 रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। ऋण राशि पर 6 हजार रुपये शासकीय अनुदान दिया गया।

विवेक द्वारा देशी गिर नस्ल की पाँच गाय राजस्थान से खरीदी गईं। उनके द्वारा गायों से प्रतिदिन लगभग 50 लीटर दुग्ध का उत्पादन किया जाकर 50 रुपये प्रति लीटर की दर से पन्ना नगर में विक्रय किया जा रहा है, जिससे प्रतिदिन समस्त खर्च उपरांत लगभग 1500 रुपये प्रतिदिन की आय प्राप्त हो रही है। विवेक द्वारा अजोला घास उत्पादन किया जा रहा है। इससे पशुओं को पर्याप्त मात्रा में संतुलित पशु-आहार एवं प्रोटीन भी मिलता है। साथ ही गायों के गोबर से विवेक ने गोबर गैस प्लांट भी लगाया है, जिसकी गैस का उपयोग वहां काम करने वाले श्रमिक कर रहे हैं। इसी वित्तीय वर्ष में गोपाल पुरस्कार योजनान्तर्गत विकासखण्ड एवं जिला-स्तर पर विवेक खरे की गाय ने दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके फलस्वरूप विवेक को 60 हजार रुपये का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। विवेक अपनी डेयरी में दो अन्य लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा सांध्य प्रकाश लि.'सांध्यप्रकाश भवन' मालवीय नगर, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : दिनेशचंद्र शर्मा
डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2015-17 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2725518, फैक्स : 0755-2726160 इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।